पाठ 4 मित्रता

मुख से

क) किन लोगों की जान- पहचान जल्दी बढ़ जाती है?

उत्तर- जिन लोगों की स्थिति बिल्कुल एकांत- प्रिय और निराली नहीं रहती,उनकी जान - पहचान जल्दी बढ़ जाती है।

ख) हेल – मेल मित्रता के रूप में कब परिवर्तित हो जाता है?

उत्तर- पहले कुछ लोगों से हेल- मेल हो जाता है, फिर वह हेल – मेल बढ़ते- बढ़ते मित्रता के रूप में परिवर्तित हो जाता है।

ग) हमें कैसे मित्र की खोज करनी चाहिए?

उत्तर- हमें ऐसे मित्र की खोज करनी चाहिए, जिसमें हम से अधिक आत्मबल हो।

घ) क्या समान स्वभाव और आचरण वाले व्यक्ति ही घनिष्ठ मित्र हो सकते हैं?

उत्तर- नहीं, भिन्न स्वभाव और आचरण वाले व्यक्ति भी घनिष्ठ मित्र हो सकते हैं।

कलम से

1. (क) जीवन की सफलता किस बात पर निर्भर करती है और क्यों?

उत्तर- मित्रों की चुनाव की उपयुक्तता पर जीवन की सफलता निर्भर करती है। क्योंकि संगति का गुप्त प्रभाव हमारे आचरण पर पड़ता है।

ख) लेखक अपने से अधिक दृढ़ संकल्प वाले लोगों के साथ दोस्ती करना क्यों बुरा समझते हैं?

उत्तर- हमें अपने से अधिक दृढ़ संकल्प वाले लोगों की हर बात बिना विरोध के मान लेनी पड़ती है, अतः लेखक ऐसे लोगों से दोस्ती करना बुरा समझते हैं।

ग) सामान्यतः लोग दोस्ती क्या देखकर कर लेते हैं?

उत्तर- सामान्यतः लोग हंसमुख चेहरा, बातचीत का ढंग, थोड़ी चतुराई या साहस आदि दो- चार बातें देखकर दोस्ती कर लेते हैं।

घ) विश्वासपात्र मित्र जीवन की संजीवनी सिद्ध होता है, कैसे?

उत्तर- विश्वासपात्र मित्र हमें उत्तम संकल्पों में दृढ़ करता है, दोष और त्रुटियों से बचाता है, जब हम कुमार व पर चलते हैं तो सचेत करता है, और जब हम हतोत्साहित (निराश) होते हैं तो उत्साहित करता है, अतः वह जीवन की संजीवनी होता है।

ङ) अच्छे मित्र से नई शक्ति की योजना कैसे संभव होती है?

उत्तर- अच्छे मित्र मूर्खता और कुमार्ग से निकाल कर सात्विक बनाते हैं। वे मित्र को अच्छी सलाह और सहारा देने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं।